मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–004

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

सी.बी.के.जी.-004 : कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

   (i) भारतीय कालगणना के किन्हीं **दो** आचार्यों के कृतित्व का वर्णन कीजिए।

   (ii) सृष्टि संवत् की गणना तथा उसके इतिहास की विज्ञानसम्मत विवेचना कीजिए।

   (iii) आधुनिक काल-विभाजन के सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

(iv) भारतीय कालगणना की उपेक्षा के कारण भारतीय इतिहास की कौन-सी प्रमुख घटनाओं को ऐतिहासिक नहीं माना जाता ? विवेचना कीजिए।

(v) "पुराणां में वर्णित वंशावलियाँ वस्तुतः नामावलियाँ हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. किन्हीं **दो** मन्वन्तरों में होने वाले मनु तथा सप्तर्षियों के नाम बताइए। 5

3. पुरातात्त्विक युग विभाजन की समालोचना कीजिए। 5

4. विश्व के किन भागों में आज भी लोग पाषाण-काल में ही हैं ? 5

5. तिष्य संवत् किसे कहते हैं ? 5

6. कलि संवत् का प्रारम्भ कब हुआ ? 5

7. शक और शक संवत् का अन्तर स्पष्ट कोजिए। 5

8. जीवाश्मों के आधार पर इतिहास लेखन की समीक्षा कीजिए। 5

9. महाभारत के काल में विभिन्न मत क्यों हैं ? 5